

छलना

पुरुष, नारी, कल्पना, कामना, निद्रा तथा विलास नामक
भाव-वृत्तियों का एक कला-पूर्ण रूपक

७१० धीरेन्द्र वना उल्लास-संग्रह

भगवतीप्रसाद वाजपेयी

राजकमल प्रकाशन
दिल्ली बम्बई